



महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली

MAHATMA JYOTIBA PHULE ROHILKHAND UNIVERSITY, BAREILLY

पत्रांक : रु०वि०/सम्ब०/२०२१/१५२-१५७

दिनांक: 22.11.2021

शीर्ष-प्राथमिकता

सेवा में,

प्राचार्य/प्राचार्या

समस्त सम्बद्ध राजकीय/अनुदानित महाविद्यालय,
महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय,
बरेली।

विषय:-तदर्थ नियुक्तियों के विनियमितीकरण संबंधी आदेश के निर्गमन की तिथि से ज्येष्ठता
अवधारित किये जाने के संबंध में।

महोदय,

कृपया इस विश्वविद्यालय के पूर्व रु०वि०/सम्ब०/२०१९/१०८५६-५८ दिनांक
23.08.2019 एवं पत्रांक रु०वि०/सम्ब०/२०२१/१२०-२४ दिनांक 08.02.2021 का संदर्भ ग्रहण
करने का कष्ट करें जिसमें वरिष्ठता सूची भेजने हेतु पत्र प्रेषित किया गया था।

इस सम्बन्ध में विशेष सचिव उच्च शिक्षा अनुभाग-5 के पत्र संख्या
2700/सत्तर-5-2021-26/2021 में वर्णित कार्मिक अनुभाग-1, लखनऊ के शासनादेश
संख्या 09/2021/106रिट/13(2)/199/का-1-2021 दिनांक 01 अक्टूबर, 2021 के
सम्बन्ध में मा० उच्च न्यायालय के उक्त निर्णय का सुसंगत अंश निम्नवत् है:-

This is one additional ground to hold that their substantive appointments can be said to be only from the date of their regularisation/appointment made in the year 1989 after their names were recommended by the Selection Committee constituted under the 1979 Rules and their services were regularised as per the 1979 Rules after following the procedure as required under the 1979 Rules, i.e., in the year 1989. Therefore, their seniority is to be counted only from 14.12.1989, the date of their regularisation and the services rendered by the adhoc appointees prior thereto, i.e., from the date of their initial appointments in the year 1985 is not to be counted for the purpose of seniority, vis-a'-vis, the direct recruits appointed prior to 1989.

अतः माननीय कुलपति महोदय के निर्देशानुसार कृपया मा० उच्चतम न्यायालय के उपर्युक्त निर्णय/आदेश को संज्ञान में लेते हुए तदर्थ नियुक्ति/विनियमित कार्मिकों की ज्येष्ठता अवधारण के संबंध में मा० उच्चतम न्यायालय के निर्णय के आलोक में विनियमितीकरण की तिथि से ही वरिष्ठता निर्धारित करते हुए विवरण संलग्न प्रारूप पर

दिनांक 27.11.2021 तक विश्वविद्यालय की E-mail ID: registrarmjpru@gmail.com तथा draffiliationmjpru@gmail.com पर सापट कापी तथा प्रमाणित हार्ड कापी पंजीकृत डाक द्वारा विश्वविद्यालय को दिनांक 06.12.2021 तक प्रेषित करने का कष्ट करें। ताकि विश्वविद्यालय द्वारा समस्त शिक्षकों की वरिष्ठता सूची जारी की जा सके।

भवदीय,

कुलसचिव

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः—

1. क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, बरेली—मुरादाबाद परिक्षेत्र, बरेली को इस आशय से प्रेषित कि उपरोक्त विवरण निर्धारित तिथि तक उपलब्ध कराने हेतु नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें
2. मीडिया प्रभारी, विश्वविद्यालय परिसर, बरेली
3. निजी सचिव—कुलपति, मा० कुलपति जी के संज्ञानार्थ
4. वैयक्तिक सहायक—कुलसचिव
5. प्रभारी, वेबसाईट को उक्त पत्र विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर अपलोड किये जाने तथा विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त राजकीय अनुदानित महाविद्यालय को ई—मेल के माध्यम से प्रेषित किये जाने हेतु प्रेषित।

कुलसचिव

महात्मा ज्योतिश्वा फुले रहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली (उ०प्र०)

वरिष्ठता निधारण हेतु प्रारूप

स्नातक/स्नातकोत्तर स्तर पर

कोड संख्या :

महाविद्यालय का नाम एवं पता :

महाविद्यालय का स्तर : स्नातक/स्नातकोत्तर

महाविद्यालय का प्रकार : राजकीय/अनुदानित

1	2	3	4	5			6	7	8		
				अनुमति के चर्चे					नियुक्ति का प्रकार		
क्र.सं.	कार्यरत शिक्षक का नाम	विषय	जन्मतिथि	स्नातक	स्नातकोत्तर	योग	मोबाइल नं०	ई-मेल आईडी०	लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित शिक्षकों के कार्यभार ग्रहण करने की तिथि	उच्चतर शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित शिक्षकों के कार्यभार ग्रहण करने की तिथि	तदर्थ नियुक्ति/संविदा नियुक्ति/मानदेय/अंशकालिक/अन्य से विनियमितीकरण की आदेश संख्या

हस्ताक्षर—

प्रबन्धक का नाम—

(महाविद्यालय की मुहर)

हस्ताक्षर—

प्राचार्य का नाम—

(महाविद्यालय की मुहर)

महत्वपूर्ण

संख्या-2700 / सत्तर-5-2021-26 / 2021

प्रेषक,

शनीम अहमद खान,
रायिय,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उच्च शिक्षा,
उ0प्र0, प्रयागराज।

उच्च शिक्षा अनुभाग-5

लखनऊ :दिनांक २४ अक्टूबर, 2021

विषय:- तदर्थ नियुक्तियों के विनियमितीकरण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक कार्मिक अनुभाग-1 उ0प्र0 शासन के शासनादेश संख्या-09 / 2021 / 106रिट / 13(2) / 1991 / का-1-2021, दिनांक 01-10-2021 की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि तदर्थ नियुक्तियों के विनियमितीकरण किए जाने के सम्बन्ध में संलग्न शासनादेश में दी गई व्यवस्था के अनुसार अग्रेतर कार्यवाही करने का कष्ट करें।

संलग्नक: यथोक्त।

भवदीय,

(शनीम अहमद खान)
सचिव।

संख्या-2700(1) / सत्तर-5-2021, तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1— कुल सचिव, समस्त राज्य विश्वविद्यालय, उ0प्र0।
- 2— सचिव, उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग, प्रयागराज।
- 3— समस्त क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, उच्च शिक्षा।
- 4— अपर सचिव, उच्च शिक्षा परिषद।
- 5— समस्त अनुभाग उच्च शिक्षा।
- 6— गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(श्रवण कुमार सिंह)
विशेष सचिव।

संख्या:- 09/2021/106रिट/13(2)/1991/का-1-2021

प्रेषक,

डा० देवेश चतुर्वेदी
अपर मुख्य सचिव
उत्तर प्रदेश शासन।
सेवा में,

समस्त अपर मुख्य सचिव/ प्रमुख सचिव/ सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।
कार्मिक अनुभाग-1

लखनऊ: दिनांक 01 अक्टूबर, 2021

विषय- तदर्थ नियुक्तियों के विनियमितीकरण संबंधी आदेश के निर्गमन की तिथि से ज्येष्ठता अवधारण किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह अवगत कराने का निदेश हुआ है कि सिविल अपील संख्या-10788/2016 राशिमणि मिशा व अन्य बनाम द स्टेट ऑफ यूपी0 रुरल इंजीनियरिंग डिपार्टमेन्ट में पारित निर्णय/आदेश दिनांक 28-07-2021 में यह संवीक्षा की गयी है कि तदर्थ रूप से नियुक्त कार्मिकों की वरिष्ठता का अवधारण उनकी तदर्थ नियुक्ति की तिथि से नहीं किया जायेगा वरन् उनके विनियमितीकरण की तिथि से ही किया जायेगा।

2- मा० उच्चतम न्यायालय के उक्त निर्णय का सुसंगत अंश निम्नवत् है :-

This is one additional ground to hold that their substantive appointments can be said to be only from the date of their regularisation/appointment made in the year 1989 after their names were recommended by the Selection Committee constituted under the 1979 Rules and their services were regularised as per the 1979 Rules after following the procedure as required under the 1979 Rules, i.e., in the year 1989. Therefore, their seniority is to be counted only from 14.12.1989, the date of their regularisation and the services rendered by the ad-hoc appointees prior thereto, i.e., from the date of their initial appointments in the year 1985 is not to be counted for the purpose of seniority, vis-à-vis, the direct recruits appointed prior to 1989.

3- कृपया मा० उच्चतम न्यायालय के उपर्युक्त निर्णय/आदेश को संज्ञान में लेते हुए तदर्थ नियुक्त/विनियमित कार्मिकों की ज्येष्ठता अवधारण के संबंध में मा० उच्चतम न्यायालय के निर्णय के आलोक में ही कार्यवाही की जाय।

भवदीय

(डा० देवेश चतुर्वेदी)

अपर मुख्य सचिव

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रॉनिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट <http://shasanadesh.up.gov.in> से सत्यापित की जा सकती है।

संख्या - 09/2021/106रिट/13(2)/1991/का-1-2021

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनाएँ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. मा० महापिवक्ता, उत्तर प्रदेश।
2. अपर मुख्य सचिव, राज्यपाल महोदय, उत्तर प्रदेश।
3. प्रमुख सचिव, विधान सभा/विधान परिषद, उत्तर प्रदेश।
4. समस्त विभागाध्यक्ष/प्रमुख कार्यालयाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश।
5. मुख्य स्थायी अधिकारी, मा० उच्च न्यायालय, इलाहाबाद/लखनऊ ईच।
6. गाँड़ फ़ाइल।

आज्ञा से,

मा० देवेश यत्कर्णी

अपर मुख्य सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रॉनिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता एवं साइट <http://shasanadesh.up.gov.in> से सत्यापित की जा सकती है।